Statement

Details of Projects (Referred in Part (b)

Sl. No.	Name of the Projects/States	Capacity (MW)	Prov. cost Estimate (Rs. in Crs)	Date of Signing of PPA
1	Jegurupadu GBPP/AP	235.00	827.00	17-6-1993
2	Godevari GBPP/AP	208.00	748.43	20-6-1993
3*	Visakhapatnam TPS (Coal)/AP	1,000.00	3,000.00	16-11-1993
4	Zero Unit at NLC/Tamil Nadu	210.00	750.00	4-11-1993
5	Ib Valley TPS (Coal) Orissa	420.00	2,025.60	9-5-1993
6	Dabhol GBPP/Maharashtra	2,015.00	9,051.27	8-12-1993
7	Paguthan GBPP/Gujarat	654.70	2,178.14	3-2-1994
8	Kharsang GBPP/Arunachal Pradesh	48.00	168.00	31-5-1994

*Only principles of PPA have been signed.

Hundred per cent Electrification in Andhra Pradesh

7598. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the Ministry of Power has suggested hundred per cent electrification of all hamlets in Andhra Pradesh as 1994-95;

(b) whether the APSEB has been offered any financial assistance to achieve this objective; and

(c) if so, the details of financial assistance offered to APSEB?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) No, Sir.

(c) In view of the above, does not arise.

गुजरात में विद्युत की स्थिति

7599. **श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल:** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात में विद्युत की मांग और उसके उत्पादन के बीच अनुमानित अन्तर को दूर करने के लिए हाल में कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) इस सम्बन्ध में पिछले तीन वर्षों के तुलनात्मक आकड़े क्या हैं; और

(घ) इस अन्तर को दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू) :

(क) से (घ) वर्ष 1991–92, 1992–93, 1993–94, के दौरान गुजरात में ऊर्जा की वास्तविक निवल आवश्यकता, उपलब्धता तथा कमी का ब्यौरा निम्नवत है :—

(सभी आंकड़े मि.यू. निबल में)

	1991–92	1992–93	1993–94
मांग	25505	26500	29860
उपलब्धता	24417	25712	28502
कमी	1088	788	1358
%	4.3	3.0	4.5

उपर्युक्त से यह पता चलता है कि गुजरात का उपर्युक्त अवधि के दौरान ऊर्जा की सीमान्त कमी का सामना करना पड़ा है; जोकि केन्द्रीय क्षेत्र के केन्द्रों और पड़ौस स्थित प्रणालियों द्वारा आपूर्ति की जा रही पर्याप्त ऊर्जा के कारण सम्भव नहीं है, जैसाकि नीचे दर्शाया गया है :

(आंकड़े मिल यू० में)

	1991–92	1992–93	1993–94	अप्रैल, 94
(क) केन्द्रीय क्षेत्रों के केन्द्रों से हकदारी	4318.1	4721.0	6521.3	527.8
वास्तविक निकासी	4171.7	4268.5	6892.8	591.3
	(96.6%)	(90.4%)	(105.7%)	(112%)
(ख) महाराष्ट्र से	729.6	—	—	—
(ग) उत्तरी क्षेत्र से	95.6	845.9 13.8	13.8 —	— 2.4 2.4
(घ) दक्षिणी क्षेत्र से	20.7	—	—	—

गुजरात में मांग और उत्पादन के बीच अन्तर को कम करने के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना में 1981 मे. वा. की एक क्षमता अभिवृद्धि शामिल की गई है। गुजरात राज्य में विद्युत उत्पादन में सुधार लाने हेतु किए गए अन्य उपायों में ये शामिल हैं, विपणन केन्द्रों से अधिकतम विद्युत उत्पादन करना, नवीकरण और आधुनिकीकरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन करना, पारेषण एवं वितरण हानियों में कमी करना, कारगर भार प्रबन्ध और ऊर्जा का संरक्षण आदि।

गुजरात में विद्युत उत्पादन के लिए योजनायें

7600. श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल: क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में विद्युत की वार्षिक आवश्यकता कितनी है;

(ख) क्या यह सच है कि विद्युत की वार्षिक आवश्यकता की तुलना में खपत की मांग अधिक है;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या विद्युत का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार को गुजरात सरकार से कोई कार्य योजना प्राप्त हुई है;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उस पर अब तक क्या निर्णय लिया गया है और उनको कब तक स्वीकृति दे दी जाएगी; और

(च) इन योजनाओं पर कितना खर्च होने का अनुमान है और उपर्युक्त योजनाएं कब तक शुरू कर दी जायेंगी और कितने समय में उनके पूरा होने की सम्भावना है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू): (क) से (ग) वर्ष 1993-94 के दौरान गुजरात में ऊर्जा की निवल आवश्यकता, उपलब्धता और कमी दिखाने वाली विद्युत आपूर्ति की वास्तविक स्थिति और वर्ष 1994-95 के दौरान प्रत्याशित स्थिति का ब्यौरा निम्नवत् है:-

(सभी आंकड़े निवल मि.यू. में)

	वास्तविक 1993-94	प्रत्याशित 1994-95
आवश्यकता	29860	32165
उपलब्धता	28502	30455
कमी	1358	1710
प्रतिशतता	4.5	5.3

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि गुजरात में विद्युत की कमी की स्थिति, मांग में वृद्धि और उपलब्धता में वृद्धि पिछड़ जाने के कारण है।

(घ) से (च) गुजरात में नई विद्युत परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति हेतु प्राप्त किए गए प्रस्तावों का ब्यौरा विवरण में दिया गया है।